## 1000222 - A2

विद्यार्थी उत्तर-पुस्तिका में मुख पृष्ठ पर कोड नं. अवश्य लिखें।

Class - X

कक्षा - X

HINDI हिन्दी

(Course A)

(पाठ्यक्रम अ)

निर्धारित समय : 3 घंटे] [अधिकतम अंक : 80

- कृपया जाँच कर लें कि इस प्रश्न-पत्र में मुद्रित पृष्ठ 11 हैं।
- प्रश्न-पत्र में बाएँ हाथ की ओर दिए गए कोड नम्बर को छात्र उत्तर-पुस्तिका के मुख-पृष्ठ पर लिखें।
- कृपया जाँच कर लें कि इस प्रश्न-पत्र में 16 प्रश्न हैं।
- कृपया प्रश्न का उत्तर लिखना शुरू करने से पहले, प्रश्न का क्रमांक अवश्य लिखें।
- इस प्रश्न-पत्र को पढ़ने के लिए 15 मिनट का समय दिया गया है। इस अविध के दौरान छात्र केवल प्रश्न-पत्र को पढ़ेंगे और वे उत्तर-पुस्तिका पर कोई उत्तर नहीं लिखेंगे।

# निर्देश:

- (i) इस प्रश्न-पत्र के **चार** खंड हैं क, ख, ग और घ।
- (ii) चारों खंडों के प्रश्नों के उत्तर देना अनिवार्य है।
- (iii) यथासंभव प्रत्येक खंड के उत्तर क्रमानुसार दीजिए।

1 P.T.O.

# खंड 'क'

1.	निम्नलिखित पद्यांश को पढ़कर नीचे दिए गए प्रश्नों के सही विकल्प छाँटकर लिखिए –					5
		1	निर्भय स्वागत करो मृत्यु का,			
		7	मृत्यु एक है विश्राम - स्थल ।			
		-	जीव जहाँ से फिर चलता है ।			
		,	धारण कर नव – जीवन – संबल ।			
		7	मृत्यु एक सरिता है, जिसमें			
		:	श्रम से कातर जीव नहाकर ।			
		1	फिर नूतन धारण करता है,			
		7	काया – रुपी वस्त्र बहाकर ।			
	(1)	कवि ने	मृत्यु को क्या बताया है ?			1
		(क) ः	अच्छा	(ख)	विश्रामस्थल	
		(ग) 1	निर्भय	(ঘ)	बुरा।	
	(2)	'जीव'	से क्या तात्पर्य है ?			
		(क) ः	मनुष्य	(ख)	आत्मा	
		(ग)	मन	(ঘ)	शरीर।	
	(3)	मृत्यु को	ो एक सरिता क्यों बताया गया है ?			1
		(क) য	मृत्यु नदी की भाँति बहती रहती है ।			
		(ख) ব	दोनों में जीव नहाता है ।			
		(ग) व	दोनों में पानी होता है ।			
		(ঘ) :	मृत्यु में सब बह जाता है ।			
	(4)	'काया -	- रुपी वस्त्र' में कौन - सा अलंकार	(है ?		1
		(क) र	उपमा	(碅)	रुपक	
		(ग) ः	अनुप्रास	(ঘ)	श्लेष।	
	(5)	इस कि	वता की भाषा कौन सी है ?			1
		(क) ব		` '	अवधी	
		$(\eta)$	खडी बोली	(ঘ)	मैथली।	

2.	निम्न	निम्नलिखित काव्यांश को पढ़कर नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर के सही विकल्प छाँटकर लिखिए -						
		मनाना चाहता है आज ही ?						
		तो मान ले						
		आज ही होगा						
		उमंगे यों अकारण ही नहीं उठतीं,	,					
		न अनदेखे इशारों पर						
		कभी यों नाचता है मन						
		खुले से लग रहे हैं द्वार मंदिर कें	?					
		बढ़ा पग,						
		मूर्ति के श्रृंगार का दिन						
		आज ही होगा।						
		कोई तो, कहीं तो						
		प्रेरणा का स्त्रोत होगा ही -						
		उमंगे यों अकारण ही नहीं उठती,	,					
		नदी में बाढ़ आई है,						
		कहीं पानी गिरा होगा।						
	(1)	कवि क्या मनाना चाहता है ?		1				
		(क) त्योहार।	(ख) खाना।					
		(ग) खेलना।	(घ) विवाह।					
	(2)	मंदिर के द्वार कैसे लग रहे है ?		1				
		(क) बंद से।	(ख) खुले से।					
		(ग) आधे बंद, आधे खुले से।	(घ) दोनो तरह से।					
	(3)	कवि क्या बढ़ाने को कहता है ?		1				
		(क) पग	(ख) हाथ					
		(ग) मूर्ति	(घ) स्वयं को					
	(4)	'अकारण' शब्द का विलोमार्थी शब्द है	-	1				
		(क) विकारण।	(ख) सकारण।					
		(ग) नकारण।	(घ) अनाकारण।					
	(5)	'पानी गिरा होगा' से आशय है -		1				
		(क) बाढ़ आई होगी।	(ख) नदी बही होगी ।					
		(ग) नल से पानी गिरा होगा ।	(घ) वर्षा हुई होगी ।					

3. निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर से सही विकल्प चुनकर लिखिए – व्यक्ति के जीवन में संतोष का बहुत महत्त्व है। संतोषी व्यक्ति सुखी रहता है। असंतोष सब व्याधियों की जड़ है। महात्मा कबीर ने कहा है कि धन – दौलत से कभी संतोष नहीं मिलता। संतोष रुपी धन मिलने पर समस्त वैभव धूल के समान प्रतीत होता है। व्यक्ति जितना अधिक धन पाता जाता है उतना ही असंतोष उपजता जाता है। यह असंतोष मानसिक तनाव उत्पन्न करता है जो अनेक रोगों की जड़ है। धन व्यक्ति को उलझनों में फँसाता जाता है। साधु को संतोषी बनाया गया है क्योंकि भोजन मात्र की प्राप्ति से उसे संतोष मिल जाता है। हमें भी साधु जैसा होना चाहिए। हमें अपनी इच्छाओं को सीमित रखना चाहिए। जब इच्छाएँ हम पर हावी हो जाती है तो मन हमारा सदा असंतुष्ट रहता है। सांसरिक वस्तुएँ हमें कभी संतोष नहीं दे सकती। संतोष का सम्बध मन से है। संतोष सबसे बड़ा धन है। इसके सम्मुख सोना, चांदी, रुपया, पैसा सब व्यर्थ है।

5

1

5

संतोष का विलोमार्थी शब्द है -(1) 1 (क) संतोषी। (ख) असंतोष। (ग) संतुष्ट। (घ) सहनशील। संतोष रुपी धन मिलने से क्या होता है ? (2) 1 (क) वैभव धूल के समान लगते हैं। (ख) मन में संतुष्टि आ जाती है। (ग) मन खुश हो जाता है। (घ) धन की लालसा बढ जाती है। जब इच्छाएँ हम पर हावी हो जाती है तब क्या होता है ? 1 (क) मन में ख़ुशी होती है। (ख) मन सदा असंतुष्ट रहता है। (ग) मन संसार में रम जाता है। (घ) मन दुखी रहता है। संतोष का संबंध किससे है ? (4) 1 (क) मन से। (ख) धन से। (ग) वस्तुओं से। (घ) तन से।

इस गद्यांश का उपयुक्त शीर्षक क्या हो सकता है ?

(क) संसार। (ख) संतोष का महत्त्व

(ग) जीवन। (घ) तन और मन।

4. निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर छाँटकर लिखिए -

'सॉच बराबर तप नहीं' सूक्ति में सत्य की महत्ता को स्वीकार गया है। सच के मार्ग पर चलना अपने आप में तप है। तप का अर्थ है तपना। सच का मार्ग सदैव कंटीला होता है, कठिन होता है। तप करने की ताकत रखनेवाला ही इस पर चल सकता है। तप वही कर सकता है जिसका हृदय साफ, निष्पाप एवं एकाग्रचित्त हो। 'सत्य' मानव हृदय के गौरव का प्रतीक है। सच बोलने वाले के मुख पर एक अलग तरह का तेज रहता है, सोच रहता है। ऐसा व्यक्ति निडर होता है, वह लोगों के हृदय में जगह बनाता है। अप्रिय सत्य मनुष्य को कभी नहीं बोलना चाहिए। सत्य, असत्य की परिभाषा अपने आप में कुछ नहीं, परन्तु दूसरों की भलाई, कल्याण के लिए बोला गया बड़े से बड़ा झूठ भी सत्य है और वास्तविक सत्य जो दूसरों को कठिनाई में डाल दे, बोला जाए तो वह झूठ की परिधि में आता है। तप और सत्य मिलकर मानव जीवन को विकास की राह पर अग्रसर करते है। सत्य की प्राप्ति ही कठोरतम तप है। यह संसार का वह सर्वोत्तम धर्म है जिसके बिना जीवन सारहीन हो जाता है। सत्य अटल है। लाख झूठ भी उसके समक्ष टिक नहीं सकते। झूठ बुलबुले की भाँति है जिसका अस्तित्व क्षणिक है। सच स्थायी है, चिरन्तर है। एक झूठ को छुपाने के लिए सौ झूठ बोलने पड़ते है और अंत में सौ झूठों का आवरण भेद कर सत्य बाहर निकल ही आता है। सत्य से व्यक्ति जितना मुँह मोडता है वह उतना पल - पल में सामने आता है। कठिन अवश्य है तप का मार्ग, सत्य का मार्ग, परन्तु कल्याणकारी है।

'सच' का मार्ग कैसा होता है ? (1)1 (क) कंटीला और कमज़ोर । (ख) कॉटों से भरा एवं सरल । (ग) कंटीला और आसान । (घ) कॉटों से भरा एवं कठिन । तप कैसा व्यक्ति कर सकता है ? (2) 1 (क) जिसका दिमाग एकाग्रचित्त, कुशाग्र एवं निष्पाप हो । (ख) जिसका हृदय निष्पाप, एकाग्रचित्त एवं साफ हो । (ग) जिसका हृदय संयमी, सत्यवादी एवं निष्पाप हो । (घ) जिसका दिमाग तीव्र, कुशाग्र एवं एकाग्रचित हो । सच बोलने वाले की क्या पहचान है ? (3) 1 (क) निडर, साहसी एवं परोपकारी । (ख) निडर, परोपकारी एवं पक्षपात करनेवाला । (ग) पक्षपात न करने वाला, साहसी एवं कुशल वक्ता । (घ) निडर, सबका प्रिय एवं मुख पर विशेष तेज। मानव जीवन के विकास की राह को आगे बढ़ाते है। **(4)** 1 (क) स्वास्थ्य और तप। (ख) सत्य और तप। (ग) तप और संयम। (घ) संयम और सत्य। सच और झुठ में क्या अंतर है ? (5) 1 (क) झूठ एक बार बोलना पड़ता है और सच सौ बार। (ख) सच बुलबुले की तरह क्षणिक है और झूठ चिरंतर व स्थायी है। (ग) झूठ बुलबुले की तरह क्षणिक है और सच चिरंतर व स्थायी है। (घ) सच बोलने में खतरा अधिक होने पर झुठ बोलना सत्य ही कहलाता है।

# खंड 'ख'

5.	(क)	निम्नलिखित वाक्यों में किस वाक्य में सहायक क्रिया प्रयुक्त हुई है ? सही विकल्प चुनकर लिखिए -							
		(i)	लड़का पढ़ने लगा है ।	(ii)	बच्चा चिल्लाया ।				
		(iii)	सीमा ने खाना बनाया।	(iv)	किताब मेज पर है ।				
	(평)		य यह काम कर <u>सकता है'</u> । वाक्य त्प चुनकर लिखिए –	में रेख	व्यांकित क्रिया का भेद निम्नलिखित विकल्पों से सही	1			
		(i)	मुख्य क्रिया।	(ii)	सहायक क्रिया।				
		(iii)	संयुक्त क्रिया।	(iv)	उपर्युक्त में से कोई नहीं।				
	(ग)	) नानी बच्चों को कहानी <u>सुनाती है</u> । – क्रिया का भेद बताओ –							
		(i)	अकर्मक।	(ii)	सकर्मक।				
		(iii)	एककर्मक।	(iv)	द्विकर्मक ।				
	(ঘ)	घ) 'गीता गीत गाती है।' वाक्य में प्रयुक्त क्रिया-भेद निम्नलिखित विकल्पों से सही विकल्प चुनक							
		(i)	अकर्मक।	(ii)	सकर्मक।				
		(iii)	द्विकर्मक ।	(iv)	अपूर्ण क्रिया।				
6.	(क)	क) निम्नलिखित वाक्यों में से किस वाक्य में <u>अकर्मक क्रिया</u> प्रयुक्त हुई है ? सही विकल्प चुनकर लिखिए							
		(i)	मै पुस्तक पढ़ रहा हूँ ।	(ii)	वह प्रतिदिन स्कूल जाती है ।				
		(iii)	वह चित्र बनाता है ।	(iv)	बच्चा हँस रहा है ।				
	(碅)	व) रिव कहानी <u>लिख रहा</u> है ।							
		उपर्युक्त वाक्य में रेखांकित क्रियाओं का भेद निम्नलिखित विकल्पों से सही विकल्प चुनकर लिखिए							
		(i)	अकर्मक क्रिया।	(ii)	सकर्मक क्रिया।				
		(iii)	द्विकर्मक क्रिया।	(iv)	अपूर्ण क्रिया।				
	(ग)	) निम्नलिखित विकल्पों से सकर्मक क्रिया का सही विकल्प चुनकर लिखिए -							
		(i)	पीना	(ii)	पिलाना				
		(iii)	पिलवाना	(iv)	पीकर				
	(ঘ)	घ) धोबी कपडे <u>धो रहा है</u> । रेखांकित क्रिया का भेद बताइए ।							
		(i)	अकर्मक	(ii)	सकर्मक				
		(iii)	प्रेरणार्थक	(iv)	अन्य				

7.	(क)	'जाऊँगा' क्रिया का मूल रुप कौन सा है ?						
		(i)	जाना।		(ii)	जा।		
		(iii)	जाऊँ।		(iv)	<b>ऊँ</b> गा।		
	(碅)	बच्चा	सो रहा है	है । - क्रियापद छाँटों :			1	
		(i)	बच्चा।		(ii)	सो।		
		(iii)	रहा।		(iv)	सो रहा है ।		
	(ग) गीता नौकरानी से खाना <u>पकवाती</u> है । – रेखांकित क्रिया का भेद बताइए :						1	
		(i)	अकर्मव	क ।	(ii)	सकर्मक।		
		(iii)	प्रेरणार्थ	क।	(iv)	संयुक्त क्रिया।		
	(ঘ)	जेब रं	ने चाकू [	<u>नेकाला</u> । – रेखांकित क्रिया	का भेद	बताओ ।	1	
		(i)	सकर्मव	<del>क</del> ।	(ii)	अकर्मक।		
		(iii)	द्विकर्म	क ।	(iv)	प्रेरणार्थक ।		
	निम्नलिखित वाक्यांशों में दिए गए रिक्त स्थानों की पूर्ति उपयुक्त क्रिया विशेषणों से कीजिए -							
8.	निम्नि	लेखित	वाक्यांशो	i में दिए गए रिक्त स्थानों क <u>ं</u>	ो पूर्ति उ	प्ययुक्त क्रिया विशेषणों से कीजिए -		
8.				i में दिए गए रिक्त स्थानों की उछली।	ो पूर्ति उ	प्रयुक्त क्रिया विशेषणों से कीजिए -	1	
8.					ो पूर्ति उ (ii)	प्रयुक्त क्रिया विशेषणों से कीजिए – सहसा।	1	
8.		एक व	बूँद धीरे।				1	
8.	(क)	एक र (i) (iii)	बूँद धीरे। तेज।		(ii)	सहसा।	1	
8.	(क)	एक र (i) (iii)	बूँद धीरे। तेज।	उछली।	(ii)	सहसा।		
8.	(क)	एक र (i) (iii) पता न	बूँद धीरे। तेज। ाही वह	उछली।	(ii) (iv)	सहसा। ध्यानपूर्वक।		
8.	(क)	एक र (i) (iii) पता न (i)	बूँद धीरे। तेज। गही वह कैसे। क्यों।	उछली।	(ii) (iv) (ii)	सहसा। ध्यानपूर्वक। कब।		
8.	(ক) (ख)	एक र (i) (iii) पता न (i)	बूँद धीरे। तेज। गही वह कैसे। क्यों।	उछली। चला गया।	(ii) (iv) (ii)	सहसा। ध्यानपूर्वक। कब।	1	
8.	(ক) (ख)	एक र (i) (iii) पता न (i) (iii)	बूँद धीरे। तेज। ही वह कैसे। क्यों।	उछली। चला गया।	(ii) (iv) (ii) (iv)	सहसा। ध्यानपूर्वक। कब। किधर।	1	
8.	(ক) (ख)	एक र (i) (iii) पता र (i) (iii)	बूँद धीरे। तेज। ग्ही वह कैसे। क्यों।	उछली। चला गया।	(ii) (iv) (ii) (iv) (ii) (iv)	सहसा। ध्यानपूर्वक। कब। किधर। ज्यादा।	1	
8.	(ক) (ख)	एक र (i) (iii) पता र (i) (iii)	बूँद धीरे। तेज। ग्ही वह कैसे। क्यों।	उछली। चला गया।	(ii) (iv) (ii) (iv) (ii) (iv)	सहसा। ध्यानपूर्वक। कब। किधर। ज्यादा।	1	

9. निम्नलिखित वाक्यों में प्रयुक्त विशेषणों के भेद दिए गए विकल्पों में से सही विकल्प चुनकर लिखिए -(क) अच्छा लडका। 1 गुणवाचक। (ii) संख्यावाचक। (i) (iii) परिमाणवाचक। (iv) सार्वनामिक। (ख) मुझे कुछ चीनी चाहिए। 1 गुणवाचक। संख्यावाचक। (i) (ii) (iii) परिमाणवाचक। (iv) सार्वनामिक। (ग) वहाँ काफी लोग थे। 1 निश्चित संख्यावाचक । (i) (ii) अनिश्चित संख्यावाचक। परिमाणवाचक । (iv) सार्वनामिक। (iii) (घ) कोई बालक रो रहा है। 1 निश्चयवाचक सार्वनामिक। अनिश्चयवाचक सार्वनामिक। (ii) (iv) गुणवाचक। (iii) संख्यावाचक। खंड 'ग' किन्तु खेतीबारी करते, परिवार रखते भी, बालगोबिन भगत साधु थे - साधु की सब परिभाषाओं में खरे **10.** उतरने वाले। कबीर को 'साहब' मानते थे। उन्हीं के गीतों को गाते, उन्हीं के आदेशो पर चलते। कभी झुठ नहीं बोलते, खरा व्यवहार रखते । किसी से सभी दो ट्रक बात करने में संकोच नहीं रखते । न किसी से खामखाह झगड़ा मोल लेते । किसी की चीज को नहीं छूते न बिना पूछे व्यवहार में लाते । इस नियम को कभी - कभी इतनी बारीकी तक ले जाते कि लोगों को कुतूहल होता। कभी वह दूसरों के खेत में शौच के लिए भी नहीं बैठते थे । वह गृहस्थ थे । लेकिन उनकी सभी चीजे साहब की थी । जो कुछ खेत में पैदा होता, वह सिर पर लादकर पहले उसे साहब के द्वार में ले जाते जो उनके घर से चार कोस की दूरी पर था । एक कबीर पंथी मठ से मतलब । वह दरबार में भेंट स्वरुप रख लिया जाकर 'प्रसाद' रुप में उन्हें जो मिलता, उसे घर लाते और उसी से गुजारा चलाते । ऊपर की तस्वीर से यह नहीं माना जाए कि बालगोबिन भगत साधु थे। नहीं, बिल्कुल गृहस्थ। उनकी गृहिणी की तो मुझे याद नहीं, उनके बेटे और पतोहू को मैनें देखा था। थोडी खेतीबारी भी थी। एक अच्छा साफ - सुथरा मकान भी था। उपर्युक्त गद्यांश के आधार पर सही विकल्पों का चयन किजिए -(1)'बालगोबिन भगत' पाठ के लेखक का नाम क्या है ? 1 (ख) रामवृक्ष बेनीपुरी। (क) स्वयंप्रकाश। (ग) सर्वेश्वर दयाल सक्सेना। (घ) महावीर प्रसाद द्विवेदी।

(2)

बालगोबिन भगत क्या नहीं करते थे ?

(क) खेतीबारी।

(ग) दो ट्रक बातें।

(घ) झूठ बोलना।

(ख) परिवार की जिम्मेदारी निभाना।

1

(3)	वे अपनी सब चीजों को किसकी मानते थे	?		1
	(क) साहब की।	(碅)	अपनी।	
	(ग) मठ की।	(ঘ)	घरवालों की।	
(4)	खेत की पैदावार को पहले वे साहब के दरव	बार मे त	ने जाते थे – यह दरबार कहाँ था ?	1
	(क) घर के चार कोस की दूरी पर ।	(평)	कस्बे से बहुत दूरी पर ।	
	(ग) मठ के अंदर ।	(ঘ)	खेत के निकट ।	
(5)	गद्यांश के आधार पर बालगोबिन भगत आप	यको क्य	ग प्रतीत होते है ?	1
	(क) साधु	(碅)	गृहस्थ	
	(ग) किसान	(ঘ)	गृहस्थ - साधु	
	अ	थवा		
	नमक - मिर्च छिड़क दिए जाने से ताजे खं	ोरे की	पनियाती फाँके देखकर पानी मुँह में जरुर आ रहा था,	
लेकिन	ा इन्कार कर चुके थे। आत्म – सम्मान निव	गहना र्ह	ो उचित समझा, उत्तर दिया, शुक्रिया इस वक्त तलब	
महसूर	न नहीं हो रही, मेदा भी जय कमजोर है, किब			
	•		के संयोग से चमकती खीरे की फाँको की ओर देखा।	
•			एक फाँक उठाकर होठों तक ले गए। फाँक को सूँघा।	
			का घूँट गले से उतर गया । नवाब साहब ने फाँक को	
		त्र खार	की फॉकों को नाक के पास ले जाकर, वासना के	
	ग़ादन कर खिड़की के बाहर फेकते गए । 	<del></del>	<del>15</del>	
	त गद्यांश के आधार पर सही विकल्पों का च		॥जए -	4
(1)	'मुँह में पानी आ जाना' मुहावरे का सही अ		<del>-</del> â	1
	(क) मुँह पानी से भर जाना ।		_	
(2)	•	(ㅂ)	खाने को तैयार ।	_
(2)	'इंकार कर चुके थे' कौन ?	( <del></del> )		1
	(क) लेखक।		नवाब साहब।	
(0)	(ग) यात्री।	(घ)	कोई अन्य।	_
(3)	'मेदा' क्या होता है ?	<i>(</i> —)		1
	(क) आमाशय।	, ,	फेफड़ा।	
	(ग) गुर्दा।	` ′	पेट।	
(4)	नवाब साहब ने खीरे की फाँको का स्वाद व			1
	(क) खाकर।		सूँघकर।	
	(ग) दिखाकर।		पलकों से।	
(5)	नवाब साहब ने खीरे की फाँको का क्या वि		6	1
	(क) खिड़की से बाहर फेंक दिया।			
	(ग) ऐसे ही छोड़ दिया ।	(ঘ)	लेखक को खिला दिया ।	

11. निम्न प्रश्नों के उत्तर संक्षेप में दीजिए -

2x5=10

- (क) बालगोबिन भगत की दिनचर्या लोगों के अचरज का कारण क्यों थी ?
- (ख) पान वाले का एक रेखाचित्र प्रस्तुत कीजीए ।
- (ग) बालगोबिन भगत की पुत्रवधू उन्हें अकेले क्यों नहीं छोड़ना चाहती थी ?
- (घ) बिना विचार, घटना और पात्रों के भी क्या कहानी लिखी जा सकती है। यशपाल के इस विचार से आप कहाँ तक सहमत है ?
- (ङ) सेनानी न होते हुए भी चश्मेवाले को लोग कैप्टन क्यों कहते थे ?
- 12. निम्नलिखित काव्यांश को पढ़कर उस पर आधारित प्रश्नों के उत्तर दीजिए -

5

हमारे हिर हारिल की लकरी मन क्रम बचन नंद - नंदन उर, यह दृढ़ किर पकरी। जागत - सोबत स्वप्न दिवस - निसि, कान्ह - कान्ह जकरी। सुनत जोग लागत है ऐसौ, ज्यौं करूई ककरी। सु तौ ब्याधि हमकौं ले आए, देखी सुनी न करी।

सु ता ब्याधि हमका ल आए, दखा सुना न करा । यह तो 'सूर' तिनहि लै सौंपौ, जिनके मन चकरी ।।

- (i) गोपियाँ कृष्ण को 'हारिल की लकड़ी क्यों कहती है'?
- (ii) गोपियों का रात दिन किस बात की रट लगी रहती है ?
- (iii) गोपियों को योग कैसा लगता है ?
- (iv) गोपियों के अनुसार योग की आवश्यकता कैसे लोगों को है ?
- (v) उपर्युक्त पद्यांश में प्रयुक्त भाषा कौन सी है ?

#### अश्रता

डार द्रुम पलना बिछौना नव पक्षव के सुमन सिंगूला सो है तन छिव भारी दै। पवन झुलावै केकी – कीर बरतावै 'देव' कोकिल हलावै – हुलसावै कर तारी दै। पूरित पराग सौ उतारो करै राई नोन, कंजकली नायिका लतान सिर सारी दै। मदन महीप जू को बालक बसंत ताहि प्रातिह जगाबत गुलाब चटकारी दै।।

- (i) प्रस्तुत पद में बसंत को किसका राजकुमार कहा है ? और क्यों ?
- (ii) राई नोन उतारने का क्या आशय है ?
- (iii) बालक वसंत को झूले में झुलाने और बाल क्रीड़ाएँ कराने का काम कैसे सम्पन्न होता है ?
- (iv) वसंत रुपी बालक को कौन जगाता है ?
- (v) इस कविता में किन किन अलंकारो का प्रयोग किया गया है ?

- 13. निम्न प्रश्नों के उत्तर संक्षेप में दीजिए -
  - (i) ''प्रात: जगावत गुलाब चटकारी दै'' इस पंक्ति का भाव स्पष्ट कीजिए ।

 $2^{1/2}$ 

(ii) कृष्ण के प्रति अपने अनन्य प्रेम को गोपियों ने किस प्रकार अभिव्यक्त किया है ?

 $2^{1/2}$ 

14. भोलानाथ और साथियों के खेल और खेलने की सामग्री आपके खेल और खेलने की सामग्री से किस प्रकार भिन्न 5 है ?

### अथवा

रानी एलिजाबेथ के दरजी की परेशानी का क्या कारण था ? उसकी परेशानी को आप किस तरह तर्क संगत उहराएँगे ?

# खंड 'घ'

15. अपने क्षेत्र के बिजली - संकट से उत्पन्न कठिनाइयों का वर्णन करते हुए दैनिक पत्र के संपादक को एक पत्र 5 लिखिए।

#### अथवा

बड़ी बहन की ओर से छोटे भाई को समय का अपव्यय न करने और कठिन परिश्रम करने की प्रेरणा देते हुए पत्र लिखिए ।

16. नीचे दिए गए संकेत - बिन्दुओं के आधार पर निबंध लिखिए -

5

## नैतिक शिक्षा की आवश्यकता ।

वर्तमान युग में हम सभी पर भौतिकता हावी होती चली जा रही है और नैतिकता कहीं पीछे छूटती जा रही है । अत: नैतिक शिक्षा की आवश्यकता का अनुभव किया जाने लगा है । यह नैतिक शिक्षा क्यों आवश्यक है ?

### अथवा

### विज्ञान : वरदान या अभिशाप।

वर्तमान युग को विज्ञान का युग कहा जाता है। विज्ञान मानवजाति के लिए वरदान बनकर आया है। इसके विविध वरदानों का उल्लेख कीजिए। इसके साथ इसके अभिशापों को भी बताइए।

- o O o -